

P-1085

Total Pages : 4

Roll No.

NS-01

Naturopathy
प्राकृतिक चिकित्सा

Certificate in Naturopathy (CIN)
Ist Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours]

Max. Marks : 100

Note : This paper is of Hundred (100) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. Candidates should limit their answer to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

SECTION-A/(खण्ड-क)

(Long Answer Type Questions)/(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'A' contains Five (05) long answer type questions of Twenty six (26) marks each. Learners are required to answer any Two (02) questions only.

(2×26=52)

P-1085 / NS-01

[P.T.O.]

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Describe the definition of naturopathy; write above the history and development of naturopathy.

प्राकृतिक चिकित्सा की परिभाषा देते हुए इसके इतिहास एवं विकास-क्रम को बताइए।

2. Describe the different types of fast? Why fasting acts as a super medicine in treatment of disease.

उपवास के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करते हुए समझाइए कि क्यों उपवास रोगों के निवारण में महाऔषधि का कार्य करता है?

3. Describe the Procedure of hot and cold hip bath and explain its benefit and precautions.

गरम-ठण्डा कटि स्नान की विधि लिखते हुए इसके लाभों व सावधानियों का वर्णन कीजिए।

4. Write down the basic principles of Naturopathy.

प्राकृतिक चिकित्सा के आधारभूत सिद्धांतों को लिखिए।

5. What are the main causes of accumulation of morbid matters (toxins) in the body? Describe in detail about the different types of accumulation and their ill effect on the body.

शरीर में दोष संचय के क्या मुख्य कारण हैं? शरीर में विभिन्न प्रकार के दोष संचय व उनके दुष्प्रभावों का विस्तार वर्णन करें।

SECTION-B/(खण्ड-ख)

(Short Answer Type Questions)/(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'B' contains Eight (08) short answer type questions of Twelve (12) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only.

(4×12=48)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What do you understand by enima? What precautions are to be kept in mind while giving enima. Explain with technique.

एनिमा से क्या अभिप्राय है? एनिमा देते समय किन सावधानियों को ध्यान में रखना चाहिए, विधि सहित वर्णन करें।

2. What is the naturopathy? Describe acute and chronic disease in detail according to naturopathy.

प्राकृतिक चिकित्सा क्या है? प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसार तीव्र एवं जटिल रोगों की व्याख्या कीजिए।

3. Describe the Meaning, method and importance of Fire element therapy.

अग्नि तत्व चिकित्सा का अर्थ, विधि और महत्त्व समझाइए।

4. Describe the technique of Naturopathy for Asthama.

अस्थमा रोग हेतु प्राकृतिक चिकित्सा विधि का वर्णन कीजिए।

5. What is the mud therapy? Write the effect of mud on human body.

मिट्टी चिकित्सा क्या है? मिट्टी का शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव को लिखिए।

6. What is the relevance of Naturopathy in present time?

वर्तमान समय में प्राकृतिक चिकित्सा की क्या प्रासांगिकता है?

7. Write above the importance of five elements in Naturopathy.

प्राकृतिक चिकित्सा में पंचतत्वों के महत्त्व को समझाइए।

8. Explain foreign theory of naturopathy.

प्राकृतिक चिकित्सा के विजातीय द्रव्य सिद्धांत को समझाइए।
